

14.38 hrs.

Title: Need to ensure that the provisions of Forest Conservation Act do not come in the way of development of Advasi areas in Bharuch Parliamentary Constituency, Gujarat

श्री मनसुखभाई डी.वसावा (भरुच) : अध्यक्ष महोदय, वन संबंधी कानून मेरे भरुच संसदीय क्षेत्र के नर्मदा जिले डोडीया पाडा और सागवारा तहसीलों के आदिवासी लोगों के विकास को बहुत नुकसान पहुंच रहे हैं। रिजर्व फॉरेस्ट कानून और वन सुरक्षा कानून तथा वाईल्ड लाईफ प्रोटेक्शन एक्ट के चलते यहां के आदिवासियों के खेतों की सिंचाई हेतु डैम नहीं बनाये जा सकते, आने-जाने के लिए रोड नहीं बना सकते, पशुओं को पीने का पानी और खेतों की सिंचाई के लिए तालाब और छोटी-छोटी नहर नहीं बनाई जा सकती हैं। यह कैसा विरोधाभास है कि वनों के कानूनों से वनवासियों को ही नुकसान पहुंच रहा है।

मैं सदन के माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि आदिवासी क्षेत्रों में इन कानूनों को इतना कठोर नहीं बनाया जाए और इन कानूनों को इस प्रकार से संशोधित किया जाए कि आदिवासी लोगों का विकास आसानी से किया जा सके।

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आपने जो पूछा, वह गलत नहीं था, मैंने स्वाभाविक उत्तर दे दिया।

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: I do not know some times whether we want to do business in the House or we do not want to do.

You can take a decision that no business will be conducted today. What is this all going on? The issue is sorted out. I have already spoken. I have already given the ruling.

...(Interruptions)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGLY): It is very unfortunate that the Government has been a party to the decision.

MR. SPEAKER: I know sometimes it happens that it is not conveyed to everybody. Therefore he stood rightly and asked the question.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Therefore, I am saying, this is not the correct attitude.

MR. SPEAKER: But I told, there is no question of attitude.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं इस विषय पर बिल्कुल चर्चा अलाउ नहीं करूंगा। There is a limit to everything.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : ये क्या कर रहे हैं? हर समय खड़े हो जाते हैं। I will not allow anybody to obstruct the House. I have already started the business.

कि (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will permit you after this is over. I will permit you afterwards, not now. Please sit down.